आईआईएम रांची का दो दिनी एनुअल बिजनेस कॉनक्लेव रैडिक्स में एम. सत्य कुमार बोले

बिजनेस सिर्फ धन कमाने का जरिया ही नहीं, यह विकास का माध्यम भी है

▪ सीएमपीडीआई सभागार में चल रहा है कॉनक्लेव

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम्स, एक्साइज एंड नारकोटिक्स (एनएसीईएन) के फैकल्टी एम. सत्य कुमार ने कहा कि बिजनेस को सिर्फ धन कमाने का जरिया नहीं बनना चाहिए, न ही उसे हमेशा प्रॉफिट के नजरिए से देखना चाहिए। सामाजिक दायित्व का निर्वहन भी एक अच्छे बिजनेसमैन की निशानी है। उन्हें यह सोचना चाहिए कि वे देश के विकास में क्या योगदान दे रहे हैं। वे शनिवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) रांची की ओर से सीएमपीडीआई सभागार में दो दिवसीय एनुअल बिजनेस कॉनक्लेव रैडिक्स के उद्घाटन मौके पर स्टूडेंट्स को संबोधित कर रहे थे।

पहले दिन बिजनेस- 361 डिग्री पर चर्चा करते हुए सत्य कुमार ने कहा कि आईआईएम के स्टूडेंट्स की समाज के प्रति बड़ी जिम्मेवारियां हैं, जिसका उन्हें निर्वहन करते रहना चाहिए। समाज में उनके योगदान की काफी जरूरत है। उन्होंने व्यवसाय की वृद्धि के लिए कई अहम बिंदुओं का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी व्यवसाय का संचालन संजीदगी से करेंगे, तभी समाज और देश की उन्नति होगी। एंटरप्रेन्योर एआरकेएस श्रीनिवास ने शिक्षा के क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाओं पर चर्चा की। इस क्रम में उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अवसर के साथ-साथ चुनौतियों पर प्रकाश डाला। हंपसन इंडस्ट्रीज के एमडी डॉ. हरीश पंत ने मैन्यूफैक्चरिंग ब्लॉक चेन को स्पष्ट करते हुए कहा कि वेस्टफुल एक्टिविटीज से बदलाव लाने की प्रक्रिया आज के युग की जरूरत है। इस मौके पर बी-स्कूल के वैसे स्टूडेंट्स, जो इंडस्ट्रीज में करियर संवारने की अभिरुचि रखते हैं, उन्हें विभिन्न इंडस्ट्रीज से आए अनुभवी स्पीकर्स ने कई सुझाव दिए।

आईआईएम रांची के दो दिनी एनुअल बिजनेस कॉनक्लेव में विचार रखते कंपनियों के एक्सपर्ट्स।

युवाओं को टेक्नोलॉजी के साथ चलना होगा : हरप्रीत

00 लाइफ साइंस कॉग्नीजेंट के सीटीओ हरप्रीत कंवर ने वर्तमान युग में इंडस्ट्रीज के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के प्रभाव की चर्चा की। कहा कि आज के युग में टेक्नोलॉजी के साथ चलकर ही व्यवसाय के क्षेत्र में बेहतर किया जा सकता है। इससे समय की बचत तो होगी ही ह्यूमन रिसोर्स भी ज्यादा नहीं लगेगा। इससे ऑडिट समेत अन्य कामों में भी सहायता मिलती है। उन्होंने किसी भी इंडस्ट्रीज या कंपनी में इनोवेटिव आइडियाज के साथ बदलाव की जरूरत पर बल दिया।

ज्ञानवान लोग कर्मियों में लीडरशिप भरते हैं: तांबी

बुक माई एडमिशन डॉट कॉम के को-फाउंडर डायरेक्टर अश्विनी तांबी ने बिजनेस संबंधी शिक्षा को आवाम की जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि बिजनेस में भी ज्ञान की काफी जरूरत होती है। जो बिजनेसमैन अच्छी शिक्षा पाए हुए होते हैं, वे अपनी कंपनी को आगे बढ़ाने के लिए अपने कर्मियों में लीडरशिप का गुण भरते हैं। एक शिक्षित व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर लोगों से बातचीत कर उनमें लीडरशिप क्वालिटी भर सकते है, ताकि वे किसी भी क्षेत्र में बेहतर कर सकें।

रैडिक्स में आज : रैडिक्स में रविवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एल एंड टी फायनेंस, डिलॉयट इंडिया, अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स प्रालि के अनुभवी प्रोफेशनल्स छात्रों को संबोधित करेंगे।

Dainik Bhaskar, 11.02.2018, Pg. 06